Message from the New President of IIA

इन्डियन इण्डस्ट्रीज एसोसिएषन के सभी सदस्यों को मेरा हार्दिक अभिवादन

इस वर्ष इन्डियन इन्डस्ट्रीज एसोसिएशन ने गौरवशाली 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में रजत जयन्ती वर्ष समारोह के अन्तर्गत विभिन्न जिला मुख्यालयों पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किये। रजत जयन्ती वर्ष में आयोजित उपरोक्त कार्यक्रमों में सभी सदस्यों को जो एक नई स्फूर्ति और ऊर्जा प्रदान की है उसका प्रभाव हमें अवश्य ही इस नव वर्ष में देखने को मिलेगा ऐसा मेरा विश्वास है। मैं अपने सभी सदस्यों से सहयोग की अपेक्षा रखते हुये आवाहन करना चाहूँगा कि वर्ष 2011–12 में हमें संस्था की सफलता के नए आयाम स्थापित करने हैं तथा इसे नई ऊचॉई पर ले जाना है, ताकि हम आई0आई0ए0 की लुप्त प्रायः हुई गरिमा एवं आक्रामक स्वभाव को पुनः स्थापित कर सकें, अतः समय है एक जुट हो जाने का तथा अपने अपने व्यक्तिगत दायित्वों का निर्वाह करते हुए आगामी वर्ष को उपलब्धियों से भरने का।

आई0आई0ए0 के 25 वर्ष के इतिहास में पहली बार अपने स्फूर्तिवान, निवर्तवान अध्यक्ष श्री अनिल गुप्ता जी के नेतृत्व में VISION MISSION, VALUES पर एक सफल दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया तथा एक मिशन स्टेटमेन्ट तैयार किया यद्यपि मैं इस मिशन स्टेटमेन्ट में निहित तथ्यों के दृष्टिगत आई0आई0ए0 की गतिविधियों को दिशा प्रदान करने हेतु प्रयत्नशील रहूँगा, परन्तु मूझे लगता है कि शायद समयाभाव के कारण हम अनेक महत्वपूर्ण तत्वों पर गहराई तक नही पहुॅच पायें। मेरा प्रयास होगा कि इस विषय पर अभी और गहनता से मन्थन किया जाये, ताकि इसें अधिक प्रभावी और कार्यकारी बनाया जा सके।

इस वर्ष में मेरी प्राथमिकता होगी लघु उद्योगों की ऐसी व्यक्तिगत तथा सामूहिक समस्याओं का निस्तारण, जिनके कारण उद्यमी तृस्त एवं क्षुब्ध हैं तथा एक शक्तिशाली संस्था का सदस्या होते हुए भी स्वयं को असहाय महसूस कर रहा है। मेरा अथक प्रयास होगा कि जिन कानूनी प्रावधानों तथा समस्याओं से हमारे उद्यमी बन्धु पीड़ित हैं, जिला एवं प्रदेश दोनो स्तरों पर उनका समुचित प्रभावी समाधान शीघ्रता से हो सके। इसके लिये जिला एवं मुख्यालय दोनो जगह एक ऐसे कर्मठ एवं कार्यशील उद्यमी समूह का गठन किया जायेगा जो उद्योगों पर व्याप्त अथवा अचानक आई किसी भी विपदा की स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही करने में सक्षम हो, चाहे इसके लिये स्वयं जूझना पड़े अथवा चाहे कानून का सहारा लेना पड़े।

सभी सदस्यों को चैप्टर स्तर पर मण्डल स्तर पर तथा प्रान्तीय स्तर पर सुसंगठित किया जायेगा। वर्तमान में अर्कमस्य चैप्टरों को मंडलाध्यक्षों के माध्यम से पुर्नजीवित करने का सकारात्मक प्रयास किया जायेगा तथा जो चैप्टर गतिशील नही हो पायेगें उन्हें बन्द किया जायेगा, जिन जिलों अथवा नगरों में आई0आई0ए0 की उपस्थिति नही हैं, उनमें नये चैप्टर खोले जायेगें ताकि आई0आई0ए0 के कार्यक्षेत्र और सदस्य संख्या का और विस्तार हो सके।

वर्तमान में प्रायः सभी उद्यमी प्रमुख जिलों में नये औद्योगिक क्षेत्रों की आवश्यकता महसूस कर रहे हैं, पिछले लगभग 10 वर्ष से भी अधिक वर्षो से कहीं कोई नया औद्योगिक क्षेत्र विकसित नही किया गया है, इस वर्ष आई0आई0ए0 का प्रयास होगा कि प्रदेश के विभिन्न जनपदों में UPSIDC अथवा अन्य किन्हीं प्रभावी संस्थाओं के माध्यम से नये औद्योगिक क्षेंत्र विकसित कराये जायें, ताकि हमारी भावी पीढ़ी के सम्भावित युवा–उद्यमी अपने छोटे बड़े कुटीर अथवा लघु उद्योग स्थापित कर अपने भविष्य के उद्यमी बनने के सपने को साकार कर सकें।

अन्त में मैं पुनः कहना चाहूँगा कि हमें एक जुट होकर संस्था की गति विधियों को गति प्रदान करनी है तथा सफलता के नये आयाम स्थापित करने हैं।

आपका अपना साथी

जुगल किशोर